Aarti Kunj Bihari Ki Aarti Lyrics in Hindi English

Aarti Kunj Bihari Ki Aarti Lyrics in Hindi

गले में बैजंती माला,
बजावै मुरली मधुर बाला ।
श्रवण में कुण्डल झलकाला,
नंद के आनंद नंदलाला ।
गगन सम अंग कांति काली,
राधिका चमक रही आली ।
लतन में ठाढ़े बनमाली
भ्रमर सी अलक,
कस्तूरी तिलक,
चंद्र सी झलक,
ललित छवि श्यामा प्यारी की,
श्री गिरिधर कृष्ण मुरारी की ॥

आरती कुंजबिहारी की,
श्री गिरिधर कृष्ण मुरारी की ॥

कनकमय मोर मुकुट बिलसै,
देवता दरसन को तरसैं ।
गगन सों सुमन रासि बरसै ।
बजे मुरचंग,
मधुर मिरदंग,
ग्वालिन संग,
अतुल रति गोप कुमारी की,
श्री गिरिधर कृष्णमुरारी की ॥

आरती कुंजबिहारी की,
श्री गिरिधर कृष्ण मुरारी की ॥

जहां ते प्रकट भई गंगा,
सकल मन हारिणि श्री गंगा ।
स्मरन ते होत मोह भंगा
बसी शिव सीस,
जटा के बीच,
हरै अघ कीच,
चरन छवि श्रीबनवारी की,
श्री गिरिधर कृष्णमुरारी की ॥

आरती कुंजबिहारी की,
श्री गिरिधर कृष्ण मुरारी की ॥

चमकती उज्ज्वल तट रेनू,
बज रही वृंदावन बेनू ।
चहुं दिसि गोपि ग्वाल धेनू

हंसत मृदु मंद,
चांदनी चंद,
कटत भव फंद,
टेर सुन दीन दुखारी की,
श्री गिरिधर कृष्णमुरारी की ॥

आरती कुंजबिहारी की,
श्री गिरिधर कृष्ण मुरारी की ॥

आरती कुंजबिहारी की,
श्री गिरिधर कृष्ण मुरारी की ॥
आरती कुंजबिहारी की,
श्री गिरिधर कृष्ण मुरारी की ॥

Aarti Kunj Bihari Ki Aarti Lyrics in English

Gale mein baijanti maala,
Bajave murli madhur baala.
Shravan mein kundal jhalkala,
Nand ke anand nandlaala.
Gagan sam ang kaanti kaali,
Radhika chamak rahi aali.
Latan mein thade banmaali,
Bhramar si alak,
Kasturi tilak,
Chandra si jhalk,
Lalit chhavi Shyaama pyaari ki,
Shri Giridhar Krishna Murari ki.

Aarti Kunjbihari ki,
Shri Giridhar Krishna Murari ki.

Kanakmay mor mukut bilsai,
Devta darshan ko tarasai.
Gagan se suman rasi barsai.
Baje murchang,
Madhur mirdang,
Gwalin sang,
Atul rati gop kumari ki,
Shri Giridhar Krishna Murari ki.

Aarti Kunjbihari ki,
Shri Giridhar Krishna Murari ki.

Jahan te prakat bhai Ganga,
Sakal man haarini Shri Ganga.
Smaran te hot moha bhanga,
Basi Shiv sees,
Jata ke beech,
Hare agh keech,
Charan chhavi Shree Banwaari ki,
Shri Giridhar Krishna Murari ki.

Aarti Kunjbihari ki,
Shri Giridhar Krishna Murari ki.

Chamakti ujwal tat renu,
Baj rahi Vrindavan venu.
Chahu disi gopi gwal dhenu,
Hansat mridu mand,
Chaandni chand,
Katat bhav phand,
Ter sun deen dukhaari ki,
Shri Giridhar Krishna Murari ki.

Aarti Kunjbihari ki,
Shri Giridhar Krishna Murari ki.

Aarti Kunjbihari ki,
Shri Giridhar Krishna Murari ki.
Aarti Kunjbihari ki,
Shri Giridhar Krishna Murari ki.

About Aarti Kunj Bihari Ki Aarti in English

“Aarti Kunj Bihari Ki” is a popular devotional hymn dedicated to Lord Krishna, celebrating his divine beauty, grace, and enchanting presence. The aarti praises Lord Krishna’s various forms and his role as the beloved of Radha, the protector of Vrindavan, and the source of joy for all devotees. The lyrics describe Lord Krishna’s physical beauty, his mesmerizing flute playing, and the magical atmosphere he creates around him in the enchanting forests of Vrindavan.

The aarti also emphasizes Krishna’s divine attributes, such as his ability to remove suffering and bring peace and happiness to the hearts of his devotees. It invokes his blessings for protection, spiritual growth, and the removal of obstacles. Lord Krishna is depicted as the ultimate source of love and joy, who fills the world with positivity and divine energy.

In addition to his divine beauty, the aarti highlights the presence of the gopis and cowherds in Vrindavan, celebrating their devotion to Krishna.

About Aarti Kunj Bihari Ki Aarti in Hindi

आरती कुंज बिहारी की एक प्रसिद्ध भक्ति गीत है जो भगवान श्री कृष्ण की पूजा में गाया जाता है। यह आरती विशेष रूप से श्री कृष्ण के सुंदर रूप और उनके द्वारा किए गए अद्भुत कार्यों का गुणगान करती है। इसमें भगवान श्री कृष्ण के विभिन्न रूपों का वर्णन किया गया है, जैसे उनका मुरली बजाना, उनके साथ राधिका का होना, और उनके आसपास के आनंदमय वातावरण का दृश्य।

यह आरती भगवान श्री कृष्ण के विभिन्न दिव्य रूपों और उनके भक्तों के प्रति असीम प्रेम को दर्शाती है। इसमें कृष्ण के ग्वालों, गोपियों और राधा के साथ रास रचाने का भी उल्लेख है। आरती में भगवान की कांति, आभूषण, और मुरली का भी वर्णन किया गया है, जो उनकी सुंदरता और दिव्यता को और भी प्रकट करता है।

यह आरती भक्तों को श्री कृष्ण के प्रति श्रद्धा और प्रेम से भर देती है और उनके जीवन में सुख, शांति और समृद्धि लाने का आह्वान करती है। “आरती कुंज बिहारी की” के गायन से व्यक्ति के मन और आत्मा को शांति मिलती है और वह श्री कृष्ण के आशीर्वाद से अपने जीवन में हर प्रकार की बाधाओं से मुक्त हो जाता है।